650

MARJ-08

June - Examination 2019

M. A. (Final) Rajasthani Examination

राजस्थानी भक्ति साहित्य

Paper - MARJ-08

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ पेपर तीन खण्डां में बंट्योडौ है। खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवाल करणा जरूरी है। आपरौ पडूत्तर अेक सबद अेक वाक्य या अधिकतम 30 सबद सूं बैसी नीं हुवणौ चाहिजै।

1) (i) सगुण भक्ति रा प्रमुख दो रूपां रा नाम बतावौ।

(ii) भक्ति जुग मांय बैवण वाळी भगतां री धारावां रा नाम बतावौ।

(iii) ईसरदास कृत किणी दो चावी रचनावां रा नाम बतावौ।

(iv) जैन धरम नै विभाजित करण वाळी दो प्रमुख साखावां रा नाम बतावौ।

(v) रामस्नेही संप्रदाय री प्रमुख पीढां रा नाम बतावौ।

(vi) ''भगती द्रविड उपजी, लाये रामानंद'' आ बात कुण कैई?

(vii) संत कवियां री भासा नै कांई नाम दिरीजियौ?

(viii) मां हिंगळाज शक्ति पीठ वर्तमान में कठै स्थित है?

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं किणी चार सवालां रौ पडूत्तर दिरावौ। सबद सीमा 200 सबद।

2) राजस्थानी भासा में क्रिसन भगती साहित्य रै विकास माथै सारगरभित टीप लिखौ।

3) राजस्थान रा संतां रौ मध्यकाल में योगदान रौ बखाण करौ।

4) निरगुण भगती रा साधना रौ विधान समझावौ।

5) भक्तिकाल री पृष्ठभूमि में इस्लाम धर्म रै योगदान नै समझावौ।

6) आदिनाथ शिवजी नै मानतां थकां कुण सौ संप्रदाय आगै बध्यौ, उण संप्रदाय रौ परिचै देवौ।

7) राम भगती काव्य री विसेसतावां नै समझावौ।

8) ''राजस्थानी समाज माथै भगतां अर संतां रौ पूरौ – पूरौ प्रभाव निजर आवै।'' कथन री सांगोपांग विरोळ करौ।

9) करणी माता रौ परिचै देतां थकां उणां रै लोक रिछा सरूप नै उजागर करो।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं किणी दो सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद।

10) भगती आंदोलन रै उद्‌भव रै कारणां नै विस्तार सूं समझावौ।

11) संत हरिदास जी माथै एक सांतरौ आलेख लिखौ।

12) ज्ञानमार्गी काव्यधारा री प्रमुख विसेसतावां विस्तार सूं समझावौ.

13) नीचै लिख्या कवियां मांय सूं किणी दो माथै निबंध लिखौ –
   (i) अल्लू जी कविया
   (ii) माधोदास दधवाड़िया
   (iii) पृथ्वीराज राठौड़
   (iv) सांयां जी झूल।